प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक

दिनांक: 27 सितम्बर 2024

नई दिल्ली घोषणा पत्र लेखापरीक्षा प्रथाओं और शासन में सुधार के लिएकार्यरत एसोसाईमहासभा कासफलतापूर्वक समापन

16वीं एसोसाईमहासभा का आज यहाँ सफलतापूर्वकसमापन हुआ, जिसमें **42** देशों के **200** प्रतिनिधियों द्वारा सार्वजनिक लेखापरीक्षा, शासन और जवाबदेही पर चर्चा हुई ।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) श्री गिरीश चंद्र मुर्मू द्वारा आयोजित, महासभा में नई दिल्ली घोषणा को अपनाया गया, एक रोडमैप जो समानता, पारदर्शिता औरनवाचार के लिए एसोसाईसदस्यों की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। उन्होंने आज के नए परिदृश्य में अधिक लचीलापन, नवाचार और शासन की दिशा में एसोसाई एवं इसके **48** सदस्यों के लिए एक रास्ता तैयार करते हुए बैंकॉक घोषणा **2021** को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए साई थाईलैंड की विभिन्न पहलों की सराहना की। सीएजी ने कहा कि नई दिल्ली घोषणा पत्र बैंकाक घोषणा पत्र पर किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाएगा और उन्हें इसकी प्रगति की आशा है।

सीएजी नेएसोसाई के पूर्व अध्यक्षसाई थाईलैंड और महासचिव साई चीन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एसोसाई के सात (अजरबैजान, कजाख्स्तान, कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और संयुक्त अरब अमीरात) और लेखापरीक्षा समिति के दो (ईरान और वियतनाम) नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी।

श्री मुर्मू ने नई दिल्ली घोषणा में निहित सामूहिक प्रयासों की भी प्रशंसा की, जो लेखापरीक्षा प्रथाओं और शासन में सुधार के लिए भविष्य के प्रयासों का मार्गदर्शन इस क्षेत्र में करेगा।यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से एसडीजी-5 (लैंगिक समानता) और एसडीजी-10 (असमानता में कमी) की सीध में है, जो डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लाभ उठाकर सेवाओं तक समान पहुंच प्रदान करने पर केंद्रित है।नई दिल्ली घोषणापत्र न केवल हमारे साझा दृष्टिकोण का प्रतिफल है, बल्कि हमारे भविष्य के प्रयासों का मार्गदर्शक प्रकाश भीहै।

24 सितंबर, को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा उद्घाटित किए गए चार दिवसीय कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र की लेखापरीक्षा को बढ़ाने के लिए एशिया के सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थान (साई) एक साथ एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम कानेतृत्व भारत के नियंत्रक एवंमहालेखापरीक्षक श्री गिरीश चंद्र मुर्मू ने किया, जिन्होंने **2024-2027** की अवधि के लिए एसोसाई की अध्यक्षता ग्रहण की, और यह आशा की जाती है किउनका नेतृत्व संगठन को सार्वजनिक लेखापरीक्षा की उत्कृष्टता के नए क्षितिज की ओर बढ़ाएगा।

अपने समापन भाषण में, श्री मुर्मू ने सुशासन, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में साई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।सार्वजनिक लेखापरीक्षा में डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकता और महामारी के बाद की दुनिया के अनुकूलन के महत्व पर जोर देते हुए, श्री मुर्मू

ने कहा, "हमारी चर्चाओं ने विश्व भर में सामाजिक-आर्थिक परिवेश को चलाने में उन्नत तकनीकों की प्रासंगिकता की उपयुक्त पहचान की है। सभी सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों को इस बदली हुई दुनिया में, विशेष रूप से महामारी के बाद के युग, में बढ़ी असमानताओं के संदर्भ में, लेखापरीक्षा करने की अपनी क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए।

बैठक में एसोसाईगवर्निंग बोर्ड और एसोसाई लेखापरीक्षा समिति में नए सदस्यों को शामिल किया गया, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की लेखापरीक्षा में मजबूत नेतृत्व और नवाचार की निरंतरता सुनिश्चित हुई।एसोसाई के अध्यक्ष के रूप में, श्री मुर्मूने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन के परिणामों का वैश्विक लेखापरीक्षा समुदाय पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा: "एक साथ, हमारे साझा मिशन से एकजुट होकर, हम अपने समय की चुनौतियों का सामना करेंगे, चाहे वे डिजिटल परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन या आर्थिक सुधार से संबंधित हों।"

सीएजी ने कहा कि क्षमता विकास, ज्ञान साझा करने और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने जैसे प्रमुख मामलों पर ध्यान दिया गया और सदस्यों की सक्रिय भागीदारी, रचनात्मक योगदान और अटूट समर्थन के कारण सभा बहुत सफल रही।

16वीं एसोसाई सभा सार्वजनिक लेखापरीक्षा के भविष्य को आकार देने में सहयोग की शक्ति की साक्षी है, और आशा की जाती है कि नई दिल्ली घोषणा एशिया और उसके बाहर सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एसोसाई के निरंतर प्रयासों की आधारशिला के रूप में काम करेगी।

BSC/SS/TT/28-24